Literacy for a Billion

Movie: Mohra
Year: 1994

Song: Subah se leke sham tak
Lyricist: Anand Bakshi

आ...
आ...
आ...
आ...
ओ सुबह से लेकर शाम तक
शाम से लेकर रात तक
सुबह से लेकर शाम तक
शाम से लेकर रात तक
रात से लेकर सुबह तक
सुबह से फिर शाम तक
मुझे प्यार करो ओ...
ओ मुझे प्यार करो
ओ मुझे प्यार करो ओ...
मुझे प्यार करो

ओ शहर से लेकर गाँव तक
धुप से लेकर छाँव तक
शहर से लेकर गाँव तक
धुप से लेकर छाँव तक
सर से लेकर पाँव तक
दिल की सभी वफाओं तक
मुझे प्यार करो ओ...
मुझे प्यार करो
ओ... मुझे प्यार करो ओ...
मुझे प्यार करो

ओ... और पिया कुछ भी कर लो
लेकिन रखना याद
और पिया कुछ भी कर लो
लेकिन रखना याद
कुछ शादी से पहले
कुछ शादी के बाद
प्यार में अब इतनी शर्तें
कौन रखेगा याद
क्या शादी से पहले
क्या शादी के बाद
हो... पास से लेकर दूर तक
दूर से लेकर पास तक
इन होंठों की प्यास तक
धरती से आकाश तक
मुझे प्यार करो ओ
ओ... मुझे प्यार करो
ओ... मुझे प्यार करो ओ...
मुझे प्यार करो

आ...
ओ... ऐसे कैसे हो सकता है
पूरा पूरा प्यार
ऐसे कैसे हो सकता है
पूरा पूरा प्यार
या खुल के इक़रार करो तुम
या खुल के इनकार
ओ... मेरे गले में डाल के बाँहें
करना बातें चार
इससे आगे करना पड़ेगा
तुमको इंतज़ार

ओ... सागर के इस आर से
सागर के उस पार तक
नज़रों की दीवार तक
प्यार से लेकर प्यार तक
मुझे प्यार करो ओ
ओ... मुझे प्यार करो
हो... मुझे प्यार करो ओ...
मुझे प्यार करो
सुबह से लेकर शाम तक
शाम से लेकर रात तक
रात से लेकर सुबह तक
सुबह से फिर शाम तक
मुझे प्यार करो ओ
ओ... मुझे प्यार करो
ओ... मुझे प्यार करो ओ...
मुझे प्यार करो
आ...

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*